प्रगतिशील किसानों को मिला ऊसर धान की आधुनिक खेती का प्रशिक्षण

दि ग्राम टुडे , कानपुर ।

(रितेश शर्मा) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत सहतावनपूर्वा के किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें उन्हें आधुनिक धान की खेती की तकनीकों से परिचित कराया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में धान की खेती, जलवायु परिवर्तन से निपटने, कटाई के बाद नुकसान कम करने और फसल के मूल्य में वृद्धि करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। डॉक्टर खान ने प्रशिक्षण में किसानों को धान की उन किस्मों के बारे में जानकारी दी गई जो कानपुर की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता बीज उत्पादन और प्रभावी खेत योजना पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त धान में खरपतवार नियंत्रण,पानी और पोषक तत्व प्रबंधन, और एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। साथ ही मृदा परीक्षण प्रयोगशाला और फार्म मशीनरी बैंक के साथ-साथ कृषि तकनीकों के प्रदर्शन ने किसानों को नवीनतम तकनीकों और प्रथाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने कहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को बदलते जलवायु में सफल होने के लिए आवश्यक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करेगा कि वे उचित उपज, आय और लाभ प्राप्त कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल किसानों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें अधिक उत्पादक और लाभदायक खेती करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह,शुभम यादव,गौरव शुक्ला एवं श्री भगवान पाल सहित 35 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

खेती में कम लागत में बेहतर उत्पादन के बताए तरीके

दैनिक जागरण कानपुर दे.27/06/2025

जासं, कानपुर देहात : कम लागत में बेहतर खेती कैसे कर सकते हैं जिससे उत्पादन अच्छा हो इसके लिए किसानों को तरीके बताए गए। दिलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों को जागरूक किया गया।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत जनपद के मैथा विकास खंड के सहतावनपुरवा के किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उन्हें आधुनिक धान की खेती की तकनीकों से परिचित कराया गया।

केंद्र के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में धान की खेती, जलवायु परिवर्तन से निपटने, कटाई के बाद नुकसान कम करने और फसल के मूल्य में वृद्धि करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। डा. खान ने प्रशिक्षण में किसानों को धान की उन किस्मों के बारे में जानकारी दी गई जो कानपुर की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता बीज उत्पादन और प्रभावी खेत योजना पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त धान में खरपतवार नियंत्रण, पानी और पोषक तत्व प्रबंधन, और एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। साथ ही मृदा परीक्षण प्रयोगशाला और फार्म मशीनरी बैंक के साथ-साथ कृषि तकनीकों के प्रदर्शन ने किसानों को नवीनतम तकनीकों और प्रथाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर पशुपालन विज्ञानी डा. शशिकांत ने कहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को बदलते जलवायु में सफल होने के लिए आवश्यक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह सुनिश्चित करेगा कि वह उचित उपज, आय और लाभ प्राप्त कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल किसानों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें अधिक उत्पादक और लाभदायक खेती करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह, शुभम यादव, गौरव शुक्ला एवं भगवान पाल मौजूद रहे।

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण
74, पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 27 जून 2025 शक सम्वत् 1947, अषाढ़ शुक्ल पक्ष

कवि कोना
-सुनहरी लाल 'तु
सभी को सम
नही कोई गरीबो
कोई सूखी नदी
लदा हो पेड़ फल
कोई सूखे दरख्तो

किसानों को मिला खेती का प्रशिक्षण

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत सहतावनपूर्वा के किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें उन्हें आधुनिक धान की खेती की तकनीकों से परिचित कराया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में धान की खेती, जलवायु परिवर्तन से निपटने, कटाई के बाद नुकसान कम करने और फसल के मूल्य में वृद्धि करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। डॉक्टर खान ने प्रशिक्षण में किसानों को धान की उन किस्मों के बारे में जानकारी दी गई जो कानपुर की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता बीज उत्पादन और प्रभावी खेत योजना पर भी जोर दिया गया।

प्रगतिशील किसानों को मिला ऊसर धान की आधुनिक खेती का प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत सहतावनपूर्वा के किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें उन्हें आधुनिक धान की खेती की तकनीकों से परिचित कराया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में धान की खेती, जलवायु परिवर्तन से निपटने, कटाई के बाद नुकसान कम करने और फसल के मूल्य में वृद्धि करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। डॉक्टर खान ने प्रशिक्षण में किसानों को धान की उन किस्मों के बारे में जानकारी दी गई जो कानपुर की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता बीज उत्पादन और प्रभावी खेत योजना पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त धान में खरपतवार नियंत्रण,पानी और पोषक तत्व प्रबंधन, और एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। साथ ही मृदा परीक्षण प्रयोगशाला और फार्म मशीनरी बैंक के साथ-साथ कृषि तकनीकों के प्रदर्शन ने किसानों को नवीनतम तकनीकों और प्रथाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने कहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को बदलते जलवायु में सफल होने के लिए आवश्यक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करेगा कि वे उचित उपज, आय और लाभ प्राप्त कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल किसानों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें अधिक उत्पादक और लाभदायक खेती करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह,शुभम यादव,गौरव शुक्ला एवं श्री भगवान पाल सहित 35 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सत्य का असर समाचार पत्र

27,06,2025Jksingh hardoi Gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

प्रगतिशील किसानों को मिला ऊसर धान की आधुनिक खेती का प्रशिक्षण

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत सहतावनपूर्वा के किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें उन्हें आधुनिक धान की खेती की तकनीकों से परिचित कराया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में धान की खेती, जलवायु परिवर्तन से निपटने, कटाई के बाद नुकसान कम करने और फसल के मूल्य में वृद्धि करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। डॉक्टर खान ने प्रशिक्षण में किसानों को धान की उन किस्मों के बारे में जानकारी दी गई जो कानपुर की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता बीज उत्पादन और प्रभावी खेत योजना पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त धान में खरपतवार नियंत्रण,पानी और पोषक तत्व प्रबंधन, और एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। साथ ही मृदा परीक्षण प्रयोगशाला और फार्म मशीनरी बैंक के साथ-साथ कृषि तकनीकों के प्रदर्शन ने किसानों को नवीनतम तकनीकों और प्रथाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने कहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को बदलते जलवायु में सफल होने के लिए आवश्यक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करेगा कि वे उचित उपज, आय और लाभ प्राप्त कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल किसानों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें अधिक उत्पादक और लाभदायक खेती करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह,शुभम यादव,गौरव शुक्ला एवं श्री भगवान पाल सहित 35 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रगतिशील किसानों ने जाना ऊसर धान की आधुनिक खेती ।

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर निकरा परियोजना अंतर्गत सहतावनपूर्वा के किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें उन्हें आधुनिक धान की खेती की तकनीकों से परिचित कराया गया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को ऊसर भूमि में धान की खेती, जलवायु परिवर्तन से निपटने, कटाई के बाद नुकसान कम करने और फसल के मूल्य में वृद्धि करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। डॉक्टर खान ने प्रशिक्षण में किसानों को धान की उन किस्मों के बारे में जानकारी दी गई जो कानपुर की जलवायु के लिए उपयुक्त हैं। इसके अलावा, गुणवत्ता बीज उत्पादन और प्रभावी खेत योजना पर भी जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त धान में खरपतवार नियंत्रण,पानी और पोषक तत्व प्रबंधन, और एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। साथ ही मृदा परीक्षण प्रयोगशाला और फार्म मशीनरी बैंक के साथ-साथ कृषि तकनीकों के प्रदर्शन ने किसानों को नवीनतम तकनीकों और प्रथाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने कहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को बदलते जलवायु में सफल होने के लिए आवश्यक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करेगा कि वे उचित उपज, आय और लाभ प्राप्त कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल किसानों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें अधिक उत्पादक और लाभदायक खेती करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर उपेंद्र सिंह,शुभम यादव,गौरव शुक्ला एवं श्री भगवान पाल सहित 35 से अधिक किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।